हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

11 जिले के अंदर बनेंगी 74 वाटर बॉडी, सांसद ने...

11 फिल्म इंस्टीट्यूटर रोहतक ने अनिल को...

खबर संक्षेप

व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

महेंद्रगढ़। शहर के मौहल्ला बांस में किराए के मकान पर रहने वाले एक व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पत्नी सविता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसका पति रामचरण खाना खाकर सोया था, जो मानसिक रूप से परेशान था। उसने शराब पी रखी थी। फांसी लगाकर आत्महत्या कर कर ली।

बेटी को छोड़कर घर से महिला लापता

मंडी अटेली। अटेली थाना अंतर्गत एक गांव के व्यक्ति ने अपनी पत्नी के रात समय घर से बेटी को छोड़ कर घर गायब की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पति की शिकायत पर मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना में दी शिकायत में 36 वर्षीय पति ने बताया कि उसके दो बच्चे है। एक बेटी और एक बेटा है। पत्नी नौ साल के बेटे को अपने साथ लेकर चली गई। अटेली पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

1008 बाबा गरीब नाथ का भंडारा 19 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बजाड़ में 1008 सिद्ध पीर रघुनाथ महाराज के शिष्य 108 महंत पीर हरिनाथ महाराज सामधा गद्दी के सानिध्य में 18 फरवरी को रात्रि में सत्संग किया जाएगा। जबकि अगले दिन 19 फरवरी को सुबह से ही देसी घी का भंडारा लगाया जाएगा। जानकारी देते हुए सत्यप्रकाश भगत ने बताया कि यह भंडारा बजाड़ धाम में आयोजित किया जा रहा है। इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर बाबा पहुंचेंगे।

आज कांटी पावर हाउस की बिजली रहेगी बाधित

मंडी अटेली। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से 13 फरवरी को कांटी 33 केवी पावर हाउस से जुड़ी बिजली सप्लाई पर मरम्मत का कार्य किया जाएगा। निगम के जेई भगवान सिंह ने बताया कि मरम्मत कार्य के चलते 33 केवी पावर हाउस से जुड़ी बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी। उपभोक्ता इस कार्य में अपना सहयोग दें।

जिले में 15 खेलों के खुलेंगे खेलो इंडिया केंद्र

नारनौल। खेल प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार करने की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने देशभर में 139 अतिरिक्त खेलो इंडिया केंद्रों को मंजूरी दी है। इसके तहत महेंद्रगढ़ जिले में भी विभिन्न खेलों के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि जिले में 15 खेल विधाओं में केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनमें ताइक्वांडो, वुशु, कराटे, जू-जित्सु, कुराश, रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग, सेलिंग, शूटिंग, साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, सेपकटाक्रा, इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी), स्क्वैश और गोल्फ शामिल हैं।

बिजली निगम कार्यालय से पीवीसी केबल चोरी

मंडी अटेली। बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने अटेली में स्थित बिजली निगम कार्यालय में सेघंमारी कर कमरों का ताला तोड़कर हजारों रुपये की पीवीसी केबल चुरा ली है। एसडीओ की शिकायत पर अटेली पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने बिजली निगम कार्यालय के कमरों के ताले तोड़ बिजली की केबल व अन्य बिजली का सामान चुराया। निगम के कर्मचारी रोजमर्रा की तरह जब कार्यालय पहुंचे तो वह इस घटनाक्रम से अवगत हुए। घटना की सुचना पाकर पुलिस टीम ने जांच की।

औचक छापेमारी से नांगल चौधरी बाजार के दुकानदारों में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

- खाद्य सामग्री सुरक्षा विभाग ने की औचक छापेमारी, 2 ही दुकानों से भर पाए सैंपल, लैब में क्वालिटी जांच कराएगा विभाग

खाद्य सामग्री सुरक्षा विभाग ने नांगल चौधरी में औचक छापेमारी करके दो दुकानों से सैंपल भरे हैं। जिन्हें सील करने के बाद लैब में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। छापेमारी की भनक लगते ही बाजार में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया तथा परचून के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकानों को बंद करके भूमिगत हो गए। करीब एक घंटे बाद छापेमारी टीम रवानगी की पुष्टि होने पर दुकानें खोली गई हैं। दुकानदारों की भगदड़ से हैरान ग्राहकों को दुकानों पर मिलावटी सामग्री बिक्री होने का संदेह बढ़ गया है।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी बाजार में 50 से अधिक परचून की दुकानें संचालित हैं जिन पर खाद्य सामग्री बिक्री होती है। अधिकतर दुकानें विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत नहीं जहां रोजाना 20 से 30 हजार की बिक्री होती है। बीते कई दिनों से विभाग को आटा, तेल, घी तथा अन्य सामग्री में मिलावट होने की शिकायतें मिल रही थी। शिकायतकर्ताओं का तर्क है कि सरसों के तेल में पाम ऑयल की मिलावट आसानी से होती है जिसकी पहचान करना संभव नहीं। दाल, हल्दी, मिर्च में भी कलर का इस्तेमाल बढ़ गया जिससे लोगों को हार्ट व एलर्जी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कार्रवाई के लिए विभागीय टीम ने दोपहर करीब दो बजे बहरोड़ रोड़ की तरफ एक दुकान पर दाबिश दी। यहां घी का सैंपल लेने के बाद दूसरी दुकान पर दाबिश देकर दूध का सैंपल लिया गया है। इस दौरान छापेमारी की सूचना पूरे बाजार में फैल गई तथा दुकानदारों ने शटर बंद करके इधर-उधर छुप गए। अन्य व्यापारियों को मोबाइल कॉल करके छापेमार टीम की लोकेशन पूछते देखे गए। इसके बाद विभागीय टीम निजामपुर रोड़ पर पहुंची, लेकिन इससे पहले सभी दुकानें बंद हो चुकी थी। आधे घंटे तक इधर-उधर गश्त करके टीम वापस नारनौल के लिए रवाना हो गई। इस दौरान दुकानदारों के कई गुप्तचरों ने टोल प्लाजा तक टीम का पीछा किया, वापस आने की संभावना खत्म होने पर उन्होंने चार बजे दुकानों को खोला है।

दुकानदारों ने जल्दबाजी में ग्राहकों को निकाला

मिलावट नहीं तो दुकान बंद करके भागे क्यों, ग्राहकों का बढ़ संदेह
बाजार में सामान खरीदने आए महेश कुमार, प्रदीप, अशंज सिंह, शीशपाल, पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि दुकान पर सामान खरीद रहे थे, इसी दौरान दुकानदार ने धक्के मारकर ग्राहकों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। सवाल करने पर अभद्र भाषा की इस्तेमाल किया तथा चंद मिनटों में दुकान को बंद करके भाग गए। उन्होंने दुकानों पर मिलावटी सामग्री बिक्री होने की आशंका जताई है, इसलिए भयभीत दुकानदारों में भगदड़ जैसा माहौल बना है। उच्च क्वालिटी का सामना बेचने पर सैंपल भरे जाने की डर नहीं रहता है।

टीम ने दो दुकानों से लिए सैंपल

दो दुकानों से लिए सैंपल, औचक छापेमार कार्रवाई जारी रहेगी
जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को विभाग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। नांगल चौधरी में छापेमारी करके दो दुकानों से दूध व घी का सैंपल लिया गया है जिन्हें लैब में भेजकर क्वालिटी जांची जाएगी। भनक लगने के कारण अधिकतर दुकानें बंद हो गई थी, जिस कारण छापेमार कार्रवाई रोकनी पड़ी है। उन्होंने बताया कि औचक कार्रवाई जारी रहेगी तथा मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई निर्धारित की गई है।

एक साल पहले खर्च किए करोड़ों के बजट को ओवरलोड डंपरों ने किया धराशायी

लिंक सड़कों से निकल आरटीओ टीम को दे रहे ओवरलोड डंपर चकमा

- अधिकांश सड़कों की क्षमता 15-20 टन वजन झेलने की
- डंपरों में 70-80 टन माल सप्लाई हो रहा

शिकायत मिलने पर आरटीओ विभाग ने औचक छापेमारी करना आरंभ कर दिया, बीते दिनों बायल, धोलेड़ा क्रशर जोन में विशेष अभियान चलाया गया था। पांच-छह डंपरों के चालान भी काटे गए थे, लेकिन इसके बाद डंपर चालक चौकन्ने हो गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिपाही डाल-डाल तो चोर पात-पात, माइंस जोन में यहीं खेल देखने को मिल रहा है। सड़कों पर आरटीओ चेकिंग बढ़ते ही ओवरलोड माफिया ने ग्रामीण लिंक सड़कों का इस्तेमाल करना आरंभ कर दिया। रोजाना सैकड़ों ओवरलोड डंपर कृष्णावती नदी से होकर दत्ताल और शहबाजपुर गांव की लिंक सड़क से क्रशर जोन व गुरुग्राम रवाना होते हैं। क्षमता से अधिक वजन पड़ने से करोड़ों की सड़कें टूटनी आरंभ हो गई हैं। परेशान ग्रामीणों ने स्थिति से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया बावजूद कार्रवाई प्रक्रिया अटकी हुई है।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी-निजामपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों के पहाड़ पर माइंस संचालित हैं। जहां से रोजाना 500-600 ओवलोड डंपर क्रशर पर पत्थर सप्लाई करते हैं। अधिकांश डंपर दोखेरा-शहबाजपुर, नांगल दुर्गू-बायल, मेघोत बींजा-बिगोपुर क्रशर जोन, जैनपुर-आंतरी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश सड़कों की क्षमता 15-20 टन वजन झेलने की होती है लेकिन डंपरों में 70-80 टन माल सप्लाई होता है। क्षमता से अधिक वजन पड़ने से करोड़ों की सड़कें टूटनी आरंभ हो गई हैं। परेशान ग्रामीणों ने स्थिति से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया बावजूद कार्रवाई प्रक्रिया अटकी हुई है।

20 नारनौल। दत्ताल गांव की लिंक सड़क से गुजरता हुआ ओवरलोड डंपर।

लिंक सड़कों पर ओवरलोड डंपरों की अनुमति नहीं, कार्रवाई करेंगे

नांगल चौधरी पुलिस थाना इंचार्ज भगत सिंह ने बताया कि ग्रामीण लिंक सड़कों पर ओवरलोड डंपर चलने की अनुमति नहीं। आरटीओ या माइनिंग विभाग को कार्रवाई करने की पावर है। पुलिस प्रशासन भी ग्रामीणों की सुरक्षा और सुविधा के लिए औचक निरीक्षण अभियान चलाएगा। उन्होंने बताया कि ओवरलोड डंपरों पर जुर्माना लगाने के साथ इंपाउंड करने का प्रावधान है।

प्रेशर हॉर्न और डीजल धुवें ने ग्रामीणों की बढ़ाई मुश्किल

हवासिंह, अशोक कुमार, महेंद्र सिंह, बिरेंद्र सिंह, बाबूलाल, सुरेंद्र सिंह ने बताया कि लिंक सड़कों पर अलसुबह ऊंट-गाड़ी चालक मजदूरी का काम करते हैं। इस दौरान साइड नहीं मिलने पर डंपर चालक प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करते हैं जिसके शोर से ग्रामीणों को मानसिक बीमारी पनपने का खतरा उत्पन्न हो गया। इसके अलावा ग्रामीण युवाओं का शारीरिक अभ्यास खतरे में पड़ गया। उन्होंने बताया कि डंपरों की तेज रफ्तार से जानलेवा हादसों की संभावना बढ़ गई हैं।

रोजाना 100-150 ओवरलोड डंपरों का आवागमन

कृष्णावती नदी के बीचोंबीच रास्ता तैयार करके डंपरों को दत्ताल और शहबाजपुर गांव की लिंक सड़कों से निकालना शुरू कर दिया। आठ-10 दिनों से रोजाना 100-150 ओवरलोड डंपरों का आवागमन होने लगा है। जिनके भार से लिंक सड़कें टूटने लगी हैं तथा कई जगह किनारे धंसने लगे हैं। डंपरों में बॉडी लेवल से ऊंचाई तक भरे पत्थर गड्ढों व साइड लेने के दौरान गिरने लगते हैं। जिससे ट्रेक्टर, ऊंट-गाड़ी तथा बाइक सवारों को जानलेवा खतरा बढ़ गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और किसानों को हर समय दुर्घटना का भय बना रहता है। परेशान ग्रामीणों ने पुलिस विभाग की मार्फत प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवा दिया है। लेकिन अभी तक लिंक सड़कों पर विभाग ने औचक निरीक्षण अभियान नहीं चलाया है। प्रशासनिक अनदेखी से सिर्फ सड़कें ही नहीं, बल्कि पर्यावरण पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। ओवरलोड डंपरों से उड़ने वाली धूल से गांवों में वायु प्रदूषण बढ़ गया है। खेतों में खड़ी फसल पर धूल की मोटी परत जम रही है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, कृष्णावती नदी क्षेत्र से होकर गुजरने वाले डंपरों के कारण नदी के प्राकृतिक प्रवाह और तटीय पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है।

बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। एडीसी को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

- 10 मार्च तक स्थिति में सुधार नहीं तो मेडिकल कॉलेज के सामने होगा धरना-प्रदर्शन : बलवान फौजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की खस्ताहाली और कोरियावास मेडिकल कॉलेज में संसाधनों के अभाव को लेकर महेंद्रगढ़ वासियों ने हरियाणा सरकार और स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने बलवान फौजी के नेतृत्व में एडीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे गए एक पत्र के माध्यम से ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 10 मार्च तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो नागरिक अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के सामने विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। स्थानीय नागरिकों और पूर्व सैनिकों का आरोप है कि महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल से जुलाई 2025 में 25 से अधिक डॉक्टर और नर्सों को अस्थायी रूप से कोरियावास मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया था। इससे नागरिक अस्पताल में स्टाफ की भारी कमी हो गई है। वहीं दूसरी ओर, करोड़ों की लागत से बने कोरियावास मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी दयनीय है। मेडिकल कॉलेज में न ऑपरेशन थिएटर चालू है, न इमरजेंसी वार्ड और न ही पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध हैं। सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को रोहतक या जयपुर रेफर कर दिया जाता है, जिससे कई मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। वहां तैनात होमगार्ड्स को अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 तक का वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इस अवसर पर डॉ. रोहतास, डॉ. धर्मवीर, सूबेदार जगदेव फौजी, सूबेदार अशोक, सूबेदार राकेश, मुख्तार सिंह, नायक सतबीर, ओमप्रकाश बुडीन, महावीर फौजी, नंबरदार बहादर, संदीप इंजीनियर, शास्त्री पीटीआई, रामचंद्र, दीपक फौजी सुरजनवास और समाजसेवी रामनिवास पाटोदा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गोकलपुर के समीप धू-धूकर जली कार, हादसे में बाल-बाल बचे दो युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र में गोकलपुर के समीप एक चलती कार में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि कार में सवार दो युवक समय रहते बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार बेगपुर से भोजावास जा रहे दो युवक अमित, राजेश जब गोकलपुर के समीप पहुंचे तो उनकी काम से अचानक धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया। कार युवकों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत गाड़ी रोकी और बाहर निकल गए। वहां उपस्थित ग्रामीणों ने मौके पर फायर ब्रिगेड सूचना दी। सुचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग को नियंत्रित किया गया। वहीं कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। आग लगने की घटना के कारण कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। आग बुझने के बाद स्थिति सामान्य हो गई।

फूड सप्लीमेंट बनाने वाली कंपनी के दो कर्मियों ने सामान सहित 4.50 करोड़ का किया गबन, पुलिस ने किया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना में संचालित निजी कंपनी में कार्यरत दो कर्मचारियों की ओर से करोड़ों रुपये गबन करने का आरोप लगा है। एसपी को दी शिकायत के बाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने गहनता की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद कनीना पुलिस ने दो नामजद के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों ने मिलकर करीब 4.50 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। पीएचसी कंपनी के संचालक कुलदीप सिंह ने एसपी दी शिकायत में बताया है कि उनकी कंपनी में कार्यरत दो कर्मचारी रिंकू उर्फ राहुल वासी कनीना और मोहित चौहान वासी गांव करौली जिला गुड़गांव ने करीब 4.50 करोड़ रुपये का गबन किया है। शिकायत में आरोप लगाया है कि उनकी कंपनी फूड सप्लीमेंट बनाने का काम करती है। जिसकी देखरेख में सेल-परचेस के लिए जुलाई 2023 में रिंकू उर्फ राहुल तथा मई 2025 में मोहित चौहान को कंपनी में रखा गया था। ये कर्मचारी कंपनी में बनने वाले सप्लीमेंट की देखरेख व बेचने का कार्य करते हैं। दोनों कर्मचारियों ने मिलीभगत कर सामान चोरी कर उनकी कंपनी को करीब 4.50 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया।

10 से 22 हजार सैलरी वाले ने की करोड़ों की हेरफेर

कुलदीप सिंह द्वारा अपने स्तर पर की गई हड़ताल में मालूम हुआ कि रिंकू उर्फ राहुल ने कंपनी के पैसों से अपनी बहन को गाड़ी दिलवाई, वहीं उसने बहनोई योगेश के साथ मिलकर रेवाड़ी में करीब दो करोड़ की लागत का प्लाट खरीदा। उसके खाते से करीब एक करोड़ रुपये की ट्रांजैक्शन भी हुई है। इसके अलावा रिंकू ने हाल ही में नया मकान भी बनाया है, वहीं करीब 20 लाख रुपये का फाइनेंस भी किया हुआ है, जबकि रिंकू को कंपनी की तरफ से 18 हजार से 22 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था।

2 माह में 23 लाख गबन

इसी प्रकार कंपनी के दूसरे कर्मचारी मोहित ने भी दो माह की अवधि में 23 लाख रुपये का गबन किया है। मोहित के बैंक खाते से भी 25-26 लाख रुपये की ट्रांजैक्शन सामने आई है। कुलदीप की इस शिकायत पर पुलिस की आर्थिक

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

ने बताया कि आर्थिक अपराध शाखा नारनौल की जांच रिपोर्ट के बाद कंपनी के दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। -राकेश कुमार, कनीना शहर थाना इंचार्ज

नए रेलवे ट्रैक का आज से होगा ट्रॉयल शुरू

नारनौल। इलाकावासियों खासकर रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी है। अटेली से नारनौल के बीच बिछाए गए नए रेलवे ट्रेक पर स्पीड ट्रायल 13 फरवरी से 15 फरवरी तक होगा। इस दौरान लोगों से रेल ट्रेक से दूर रहने की अपील की गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से अटली से नारनौल रेलवे स्टेशन के बीच बिछाए गए ट्रेक पर 13 से 15 फरवरी तक स्पीड ट्रायल किए जाएंगे। रेलवे प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे इन तीन दिनों तक नए ट्रेक के आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं तथा सावधानी बरतें। उप मुख्य इंजीनियर)–चतुर्थ ने बताया कि ट्रैक पर किसी भी प्रकार की आवाजाही खतरे का कारण बन सकती है।

प्रथम तल पर बनाया गया है नया भवन

उद्घाटन के दूसरे ही दिन कैंसर सेंटर पर लटका ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बड़े उत्साह और उम्मीदों के साथ ट्रामा सेंटर में कैंसर रोगियों के लिए शुरू किया गया डे केयर कैंसर सेंटर उद्घाटन के दूसरे ही दिन सूना नजर आया। हालात ऐसे रहे कि एक भी मरीज कीमोथेरेपी के लिए नहीं पहुंचा और सेंटर पर ताला लटका रहा। यह स्थिति तब है, जब सरकारी आंकड़ों के अनुसार महेंद्रगढ़ जिले में इस वर्ष अब तक करीब 540 कैंसर रोगी सामने आ चुके हैं और इनमें से 295 ऐसे रोगी हैं, जो कैंसर की तीसरी एवं चौथी स्टेज से गुजर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रामा सेंटर परिसर में कैंसर रोगियों के उपचार के लिए डे कैंसर केयर सेंटर की शुरूआत बीते रोज बुधवार से की गई है। इस सेंटर को खास तौर पर उन मरीजों के लिए शुरू किया गया है, जो कैंसर उपचार के लिए एम्स झज्जर या अन्य बड़े संस्थानों में पंजीकृत हैं और जिन्हें नियमित कीमोथेरेपी की आवश्यकता होती है। स्वास्थ्य विभाग की योजना के अनुसार ऐसे मरीजों को अब हर बार दूसरे जिले में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि वे नारनौल में ही कीमोथेरेपी की सुविधा ले सकेंगे। सेंटर में छह बैड की व्यवस्था की गई है। कमाल की बात यह है कि मरीज नहीं आने से अस्पताल प्रशासन ने इस सेंटर पर ताला लगा दिया है। इस सेंटर को अभी एम्स झज्जर से मरीजों के ट्रांसफर और रेफरल की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार है।

35 नारनौल। डे केयर सेंटर के गेट पर लटका ताला। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं अधिकारी

डे केयर सेंटर की शुरूआत ट्रामा सेंटर में कर दी गई है। यहां पर छह बैड निर्धारित किए गए हैं और प्रशिक्षित स्टॉफ लगाया गया है। मरीज न होने के पीछे कारण यह है कि यहां मरीज सीधे भर्ती नहीं किए जाएंगे, बल्कि वह एम्स झज्जर से रेफर होकर आएंगे। जिन मरीजों को कीमोथैरेपी एवं उपचार की जरूरत होगी, उन्हें यहां उपचार प्रदान किया जाएगा। फिलहाल रेफरल सूची का इंतजार है। जैसे ही सूची आएगी, इलाज शुरू कर दिया जाएगा। -डा. विजय डबास, डीएमएस, नारनौल।

ड्रोन का टुकड़ा मिलने से सनसनी

मंडी अटेली। अटेली कस्बे के एक घर में काले रंग का ड्रोन का टुकड़ा मिलने से सनसनी फैल गई, जिसे परिवार ने अटेली थाने को सौंपा दिया।

परिवार व कस्बे के कुछ लोगों का कहना है कि ड्रोन के माध्यम से ड्रोन चालक व इसका कार्य करने वाले व्यक्ति घरों की रेकी या जासूसी करते हैं। अटेली कस्बे के पास बाछौद हवाई पट्टी समीप होने से ड्रोन प्रतिबंधित एरिया है। वहीं अटेली पुलिस का कहना है कि जो ड्रोन पुलिस को मिला है, वह एक तरह से खिलौना टाईप है, उसमें किसी प्रकार का कैमरा व दूसरी तकनीक आदि नहीं है। फिरी भी पुलिस ने ड्रोन को अच्छी तरीके से उसकी जांच पड़ताल की है।

स्पेशल: वर्ल्ड रेडियो-डे

ज्ञान-विज्ञान-मनोरंजन का खजाना
रेडियो का सफर है बहुत सुहाना

बच्चो, एक समय था, जब घर-घर में लोग रेडियो सुनते थे। रेडियो के माध्यम से देश-विदेश के समाचार मिलते थे। ज्ञान-विज्ञान का खजाना होता था रेडियो। मनोरंजन का एक बहुत बड़ा साधन था रेडियो। आज भी लोग रेडियो सुनते हैं, इसका अपना एक अलग महत्व है। रेडियो की शुरुआत कैसे हुई, तुम्हारे लिए इससे जुड़ी कुछ जानकारियां।

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, तुमने घर में अपने दादा जी को बड़े ध्यान से रेडियो सुनते देखा होगा। यही नहीं तुम भी कार या कैब में एफएम रेडियो पर सुरीले गीत और मनोरंजक कार्यक्रम सुनते होगे। तुम्हारे मन में कभी-कभी यह सवाल आता होगा, रेडियो की शुरुआत कैसे और कब हुई? यह कैसे इतना लोकप्रिय हो गया? आज विश्व रेडियो दिवस (13 फरवरी) के अवसर पर जानो, रेडियो से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

संचार का सशक्त माध्यम: बच्चो, रेडियो सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा दोस्त है, जो बिना चेहरा दिखाए हमें दुनिया से जोड़े रखता है। हर साल 13 फरवरी को दुनिया भर में विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है, ताकि संचार के इस पुराने सशक्त माध्यम के महत्व को समझा और सराहा जा सके।

स्वतंत्रता आंदोलन का साथी रेडियो: बच्चो, भारत की आजादी की लड़ाई में रेडियो का बड़ा योगदान रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान रेडियो ने स्वतंत्रता सेनानियों के संदेश प्रसारित कर आम नागरिकों को जागरूक किया था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उषा मेहता के 'कांग्रेस रेडियो' और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'आजाद हिंद रेडियो' जैसे प्रयासों ने जन-जागरण में अहम भूमिका निभाई थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जर्मनी से और बाद में सिंगापुर/रंगून से रेडियो के जरिए ही देशवासियों को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया, साथ ही स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी। रेडियो ने गांवों तक आजादी के संघर्ष की खबरें पहुंचाईं, जिससे देश भर में एकजुटता बढ़ी। बच्चो, जरा सोचो रेडियो बिना लाखों लोगों तक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की आवाज भला कैसे पहुंचती?

ज्ञान के प्रसार में सहायक: आजादी के बाद रेडियो ने साक्षरता, स्वास्थ्य, जागरूकता और कृषि ज्ञान के प्रसार में बड़ी भूमिका निभाई। यह दूर-दराज के गांवों, पहाड़ी इलाकों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में भी स्थानीय भाषाओं में समाचार और मनोरंजन प्रसारित करने वाला सबसे प्रभावी माध्यम बना। स्वतंत्रता की घोषणा से लेकर, महात्मा गांधी, पंडित नेहरू के भाषण और ऐतिहासिक पलों की कमेंट्री रेडियो ने ही घर-घर में पहुंचाई।

संकटमोचन की भूमिका में रेडियो: बच्चो, प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात आदि के समय जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, तब रेडियो ही दूर-दराज में रहने वाले देशवासियों को जरूरी सूचनाएं देता है। वर्तमान समय में आकाशवाणी और एफएम चैनलों के माध्यम से प्रधानमंत्री की 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों के जरिए रेडियो देश के हर तबके तक जुड़ा हुआ है।

रेडियो के विकास में भारत का योगदान: वैसे तो पहला व्यावहारिक रेडियो 1895 में गुग्लिएल्मो मार्कोनी द्वारा बनाया गया था, लेकिन भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु ने 1895 में बिना तार के सिग्नल भेजने का प्रदर्शन कर दिया था। भारत में पहला रेडियो प्रसारण जून 1923 में बॉम्बे रेडियो क्लब द्वारा किया गया था। अपने देश का ऑल इंडिया रेडियो 99 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच के साथ दुनिया के सबसे बड़े प्रसारकों में से एक है।

जगदीश चंद्र बसु

जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक रेडियो: बच्चो, रेडियो तरंगें अंतहीन होती हैं। यदि इन्हें कोई अवशोषित नहीं करता है तो ये अनंत काल तक यात्रा कर सकती हैं। रेडियो बिजली के बिना भी काम करता है। पुराने ट्रांजिस्टर (रेडियो) बैटरी या सेल से चलते थे। रेडियो तरंगें न केवल ध्वनि, बल्कि खगोलीय पिंडों (ग्रहों, तारों) से भी उत्सर्जित होती हैं, जिनका अध्ययन रेडियो टेलीस्कोप से किया जाता है।

भारत में आकाशवाणी: ऑल इंडिया रेडियो को 1957 में आधिकारिक तौर पर 'आकाशवाणी' का नाम दिया गया। 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को नेहरू जी का भाषण ऑल इंडिया रेडियो से ही प्रसारित हुआ था। मां दुर्गा की लोकप्रिय 'महिषासुर मोर्दिनी' (महालया) भारत के सबसे पुराने रेडियो कार्यक्रमों में से एक है, जो 1931 से प्रसारित हो रहा है। *

कुछ रोचक तथ्य

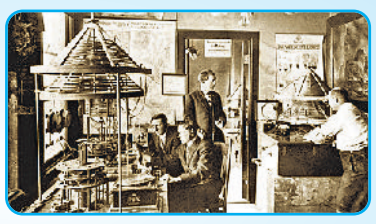

दुनिया का पहला रेडियो स्टेशन: बच्चो, दुनिया का पहला व्यावसायिक रेडियो स्टेशन 1920 में अमेरिका में शुरू हुआ था, जबकि भारत में बड़े स्तर पर रेडियो प्रसारण 23 जुलाई 1927 को मुंबई से शुरू हुआ था।
पहली सिग्नेचर धुन: ऑल इंडिया रेडियो की मशहूर धुन किसी भारतीय ने नहीं बल्कि एक यहूदी शरणार्थी वाल्टर कॉफमैन ने बनाई थी, जो आज भी ऑल इंडिया रेडियो की पहचान है।
रेडियो सुनने के लिए लाइसेंस: आज लोग भले ही कभी भी कहीं भी रेडियो सुन सकते हैं, लेकिन 1920 के दशक में भारत में रेडियो सुनने के लिए बाकायदा लाइसेंस लेना पड़ता था। 1927 में अपने देश में रेडियो लाइसेंस धारकों की संख्या मात्र 3,594 थी।

बहुत अनोखी झील है ब्लैक सी

बच्चो, दक्षिण-पूर्व यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित ब्लैक सी, कई मायने में सामान्य झीलों से अलग है। ब्लैक सी के निर्माण और इसकी कुछ विशेषताओं के बारे में तुम भी जानो।

यह भी जानो
नयनतारा

बच्चो, ब्लैक सी यानी काला सागर, वास्तव में कोई समुद्र नहीं बल्कि एक विशाल झील है। यह चारों तरफ से जमीन से घिरी हुई है। यह दक्षिण पूर्वी यूरोप और पश्चिमी एशिया के बीच स्थित है। ब्लैक सी के तट छह देशों की सीमाओं को स्पर्श करते हैं। ये देश हैं- यूक्रेन, रूस, जॉर्जिया, तुर्की, बुल्गारिया और रोमानिया।

संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन: भौतिक दृष्टि से ब्लैक सी संसार का सबसे बड़ा मेरोमिक्टिक बेसिन है। 'मेरोमिक्टिक' का अर्थ यह है कि इसका गहरा पानी अनॉक्सिक है यानी उसमें ऑक्सीजन का अभाव है। इस कारण उसका गहरा पानी, ऊपरी परत के ऑक्सीजन युक्त पानी में मिश्रित नहीं होता है। पानी में ऑक्सीजन न होने की वजह से यह 'डेड जोन' बन जाता है, जिसमें 150 मीटर के नीचे कोई समुद्री जंतु या पौधा जीवित नहीं रह पाता है।

इसलिए कहते हैं ब्लैक सी: बच्चो, तुम्हारे मन में सवाल उठता होगा कि इस झील को ब्लैक सी क्यों कहते हैं? दरअसल, अधिक ठंड के मौसम में ब्लैक सी में तेज तूफान उठता है, जिससे वह काले रंग के खतरनाक जल प्रवाह के रूप में दिखता है, इसीलिए इस झील को 'ब्लैक सी' नाम से जाना जाता है। इसके अतिरिक्त, प्राचीन समय में तुर्की देश के नाविक उत्तर दिशा (जहां यह सागर स्थित है) को अपने कलर-कोडेड दिशा सूचक व्यवस्था में 'ब्लैक' कलर से प्रदर्शित करते थे, इसलिए भी इसे 'ब्लैक सी' कहा जाता है।

ऐसे हुआ ब्लैक सी का निर्माण: भू-वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्लैक सी लगभग 7,500 साल पहले बनी, जब मेडिटेरेनियन यानी भूमध्य सागर में जबर्दस्त उफान आया और उसका विशाल जल प्रवाह बोस्फोरस स्ट्रेट (तुर्की के इस्तांबुल शहर में स्थित एक स्थल) को पार कर एक ताजा पानी की झील में पहुंच गया। इस प्रकार इस अनोखी झील, ब्लैक सी का निर्माण हुआ। *

ब्लैक सी से जुड़े कुछ अन्य तथ्य

ब्लैक सी के गहरे पानी में चूंकि ऑक्सीजन नहीं है इसलिए उसमें मौजूद कोई भी लकड़ी हजारों साल तक गलती नहीं है। यही वजह है कि करीब 2,000 साल पहले इसमें डूबे पानी के जहाजों की लकड़ियां आज भी मौजूद हैं। इस सागर में लहरें नहीं उठती हैं, पानी किसी झील या तालाब की तरह शांत रहता है। नीचे का खारा पानी और ऊपर का ताजा पानी आपस में मिलते नहीं हैं। ऐसा लगता है जैसे दो अलग सागर एक-दूसरे के करीब हों।

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

दांत बन गए नेल कटर

अटर-पटर चटर-पटर,
गेहूं, चावल, दाल, मटर,
फल, मेवे, गुड़ और शक्कर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
झटपट ये बिल के अंदर,
चटपट आ जाते बाहर।
रोटी, बिस्कुट, ब्रेड, बटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
खाते प्लास्टिक की चेयर,
नरम पुराने फर्नीचर,
प्लास्टिक के पाइप, वायर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
तकिया, गद्दे और चादर,
कोट, शर्ट, ऊनी स्वेटर,
काट रहे पेपर-वेपर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।
बड़े चटोरे, बड़े जबर,
मूंगफली, अखरोट कुतर,
दांत बन गए नेल कटर,
चूहे खाते कुतर-कुतर।

बूझो तो जानें

1
गुजर सके हर एक वस्तु से
पर नजरों से गुम,
कहो कौन-सी किरणें हैं ये
जल्दी बूझो तुम।

2
एक मशीन इलेक्ट्रॉनिक है
बिजली से है चलता,
चित्र खींचता, खेल खिलाता
गणनाएं भी करता।।

3
चाहे हों ये दाएं-बाएं
अथवा ऊपर-नीचे,
लोहे की चीजों को झटपट
पलक झपकते खींचे।।

-डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर : 1.एक्स-रे, 2.कंप्यूटर, 3.चुंबक

जीके क्विज-192

1. भारतीय टीम ने किस देश की टीम को हराकर अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता?
2. 'हैरी पॉटर' किसकी रचना है?
3. भारत के वर्तमान रेलमंत्री कौन हैं?
4. रामकृष्ण मिशन की स्थापना किसने की थी?
5. मानव शरीर की सबसे छोटी अस्थि (बोन) का नाम क्या है?
6. गुरुत्वाकर्षण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
7. भारत के पहले फील्ड मार्शल कौन थे?
8. सौरमंडल के किस ग्रह को 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है?
9. नमक का रासायनिक नाम क्या है?
10. हाइड्रोजन की खोज किसने की थी?

बच्चो, जीके क्विज-192 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-191 का उत्तर: 1.निर्मला सीतारमण, 2.कलिंगा लांसर्स, 3.सुभाष चंद्र बोस, 4.पीवी सिंधु, 5.साइरस, 6.अजमेर और दिल्ली, 7.आर.के. षणमुखम चेट्टी, 8.बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, 9. प्लेटिनम, 10.ओडिशा

जीके क्विज-191 का सही उत्तर देने वाले: सतीश-रायपुर, आरसी-कोरबा, आदित्य-मुंगेली, श्रेया-गैसाबाद, कबीर-हिसार, विशाल-रोहतक, राजेश-रायपुर, पंकज-बिलासपुर, पल्लवी-बलौदा बाजार, हर्षित-महासमुंद, चंदन-रायगढ़

कहानी
हरीश कुमार अमित

परीक्षाएं क्या पास आईं, शशांक खेलना-कूदना बंद करके दिन-रात पढ़ाई में जुट गया। उसके दादा जी को इस तरह हमेशा पढ़ाई करते रहना सही नहीं लगा। एक दिन दादा जी ने शशांक को जो बातें समझाईं, अच्छे नंबर लाने के लिए, ये बातें हर बच्चे को जाननी चाहिए, तुम भी जानो।

परीक्षा का तनाव

एआई इमेज

परीक्षा करीब आने से शशांक बड़े तनाव में था। कुछ दिनों बाद ही उसकी वार्षिक परीक्षाएं, जो शुरू होने वाली थीं। परीक्षा की तैयारी के लिए उसके स्कूल में छुट्टियां घोषित कर दी गई थीं। शशांक पढ़ने में होशियार था। हमेशा अच्छे अंक लाता था। उसके तनाव का कारण यह डर था कि कहीं इस बार उसके अंक कम न आ जाएं। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए वह सारा दिन पढ़ाई करता रहता। ज्यादा पढ़ाई करने के लिए उसने अपनी नींद भी कुछ कम कर दी थी।

एक दिन दोपहर के समय शशांक पढ़ाई कर रहा था कि तभी उसके होम टाउन से दादा जी आ गए। साल में एक-दो बार वह कुछ दिनों के लिए शशांक के पास जरूर आ जाया करते हैं। दादा जी का साथ उसे बहुत भाता है। उनसे शशांक का दोस्त जैसा रिश्ता है।

शाम को दादा जी पार्क में सैर करने के लिए जाने लगे तो उन्होंने शशांक से पूछा, 'बेटा, क्या आज तुम्हें अपने दोस्तों के साथ खेलने नहीं जाना?'

'नहीं दादा जी, मुझे परीक्षा की तैयारी करनी है न, इसलिए इन दिनों शाम को दोस्तों के साथ खेलने के लिए नहीं जा रहा हूं।'

दादा जी सैर करके वापस आए, तो उन्होंने देखा कि शशांक अब भी अपनी किताब लिए बैठा है। यह देखकर उन्होंने हैरानी से पूछा, 'अरे बेटा, क्या बात है? तुम शाम को टीवी नहीं देख रहे? तुम तो शाम को टीवी देखा करते थे।'

'दादा जी, परीक्षाएं आने वाली हैं न, इसलिए इन दिनों टीवी देखना भी बंद है।' शशांक का जवाब सुनकर दादा जी चुप रहे, कुछ बोले नहीं। रात का खाना खाने के बाद दादा जी घर में ही थोड़ी देर टहलते जरूर हैं। उन्होंने शशांक को भी अपने साथ टहलने के लिए कहा, लेकिन उसने यह कहते हुए टहलने से मना कर दिया कि पढ़ाई करनी है, परीक्षाएं करीब हैं।

दादा जी हमेशा शशांक के कमरे में ही सोते हैं। रात को शशांक काफी देर बिस्तर पर ही बैठकर पढ़ाई करता रहा और फिर पढ़ते-पढ़ते ही सो गया। आधी रात को जब दादा जी की नींद खुली तो उन्होंने उठकर ट्यूबलाइट बंद की।

शशांक ने सुबह पांच बजे उठकर पढ़ने के लिए अलार्म लगाया हुआ था। सुबह जब अलार्म बजा तो वह बड़ी मुश्किल से उठ पाया। उसकी आंखों में नींद भरी थी। रात को देर से सोने के कारण वह ठीक तरह से पढ़ नहीं पा रहा था। बीच-बीच में उसे झपकी आ जाती।

छह बजे सैर करने जाते समय दादा जी ने शशांक से कहा कि वह भी थोड़ी देर सैर करने चले, लेकिन वह बोला, 'दादा जी, अब मुझे नींद आ रही है। मैं थोड़ी देर सोऊंगा।' दादा जी सैर करके घर वापस आए तब भी शशांक सो रहा था। वह तभी उठा जब मम्मी ने उससे कहा कि वह नाश्ता बनाने जा रही हैं, अब वह उठ जाए।

नाश्ता करने के बाद दादा जी ने शशांक को अपने पास बुलाया और बोले, 'बेटा, तुम परीक्षा की तैयारी के लिए मेहनत तो बहुत कर रहे हो, लेकिन अगर तुम कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हें दो फायदे होंगे। एक तो तुम्हारी तैयारी और बढ़िया होगी और दूसरा, तुम्हें जो यह परीक्षा का डर सता रहा है, वह भी कम हो जाएगा।'

शशांक बड़े ध्यान से दादा जी की बात सुन रहा था। दादा जी आगे बोले, 'देखो बेटा, एक तो सारा दिन किताबें लेकर बैठने की बजाय बीच-बीच में थोड़ा ब्रेक ले लिया करो। थोड़ी देर दोस्तों के साथ खेलो, थोड़ी देर टीवी देखो, थोड़ी देर घर के लोगों से बातचीत करो। इसके अलावा इन दिनों अपनी नींद में भी कमी करने की जरूरत बिल्कुल नहीं है। पूरी नींद लो।'

'जी, दादा जी।' शशांक ने हामी भरी। 'इन बातों का ध्यान रखोगे तो इससे तुम्हारा दिमाग तरोताजा रहेगा, याद भी अच्छी तरह होगा और परीक्षा की ओर अच्छी तैयारी कर पाओगे। परीक्षा का डर भी तुम्हें कम लगेगा।' दादा जी ने शशांक को समझाया।

'मैं समझ गया, दादा जी।' शशांक कहने लगा। दादा जी की इन बातों का पालन शशांक ने उसी दिन से करना शुरू कर दिया। परीक्षाओं से लगने वाला उसका डर-तनाव कम हो गया था। अब वह शांत मन से और अच्छी तरह पढ़ाई कर पा रहा था।

कुछ दिनों बाद जब उसका परीक्षा परिणाम आया, तो उसके अंक उसकी उम्मीद से बहुत ज्यादा अच्छे थे। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदारी सिखाती प्यारी कहानियां

बच्चो, अभी कुछ समय पहले ही एक बालकथा संग्रह 'दिन में सौ चांद' छपकर आया है। इसमें कुल पंद्रह कहानियां हैं। इनमें से अधिकतर कहानियों के पात्र पशु-पक्षी हैं। इन कहानियों को पढ़कर तुम्हारा मनोरंजन तो होगा ही, इनसे तुम्हारे भीतर समझदारी भी विकसित होगी।

'दिन में सौ चांद' कहानी में तुम पढ़ोगे कि किस तरह चतुर खरगोश, शेर को दिन में सौ चांद दिखाकर अपनी बात सही साबित कर देता है। सोनू, मोनू बकरियों और जंगू भेड़िए की कहानी 'सोनू की चालाकी' पढ़कर तुम सीख सकते हो कि अगर मुसीबत में भी धीरज और बुद्धि से काम लिया जाए तो मुसीबत से पार पाया जा सकता है। कुछ पक्षियों और एक सांप की कहानी 'हम अच्छे बने रहेंगे' यह सिखाती है कि अगर कोई हमारे साथ अच्छा व्यवहार न करे तो भी हमें अपना व्यवहार अच्छा ही रखना चाहिए। हमारा रूप-रंग कितना भी अच्छा क्यों न हो अगर हम परिश्रम नहीं करेंगे तो हमारा सम्मान नहीं होगा, यह सीख 'मेहनत का सम्मान' कहानी देती है। एक मछली और एक चिड़िया की दोस्ती की प्यारी सी कहानी है 'सोनचिड़ी और सोन मछली', जिसमें तुम पढ़ोगे कि सच्चा दोस्त वही होता है, जो मुसीबत में अपने दोस्त का साथ नहीं छोड़ता। इसी तरह 'सवाल का बवाल' कहानी पढ़कर तुम अपनी हंसी नहीं रोक पाओगे। कई रंगों की कहानियों से सजी यह किताब तुमको जरूर पसंद आएगी। *

किताब: दिन में सौ चांद (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद शर्मा, **मूल्य:** 175 रुपए, **प्रकाशक:** साहित्यागार, जयपुर

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट से पपी के दो चित्र दिए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम तीन मिनट में सभी पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

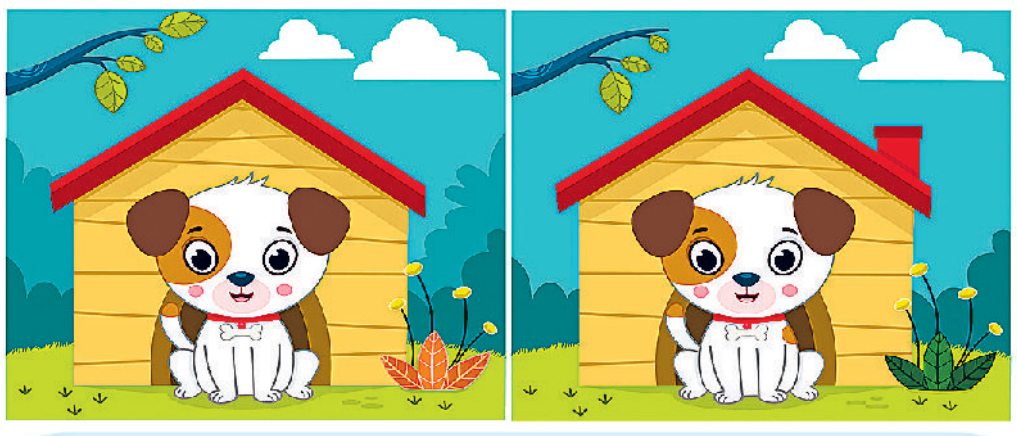

उत्तर: 1.पपी हाउस के ऊपर बाईं तरफ पेड़ की टहनी में एक पत्ती कम है। 2.पीछे बाईं तरफ शेड कम दिख रहा है। 3.पपी के बाएं पैर के ऊपर ब्राउन स्पॉट है। 4.पपी हाउस में ऊपर दाईं तरफ चिमनी बनी हुई है। 5.नीचे दाईं तरफ पत्तियों का रंग अलग है।

रास्ता बताओ

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में हिरण के एक भूखे बच्चे को घास तक पहुंचना है। लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम हिरण के बच्चे को घास तक पहुंचने का सही रास्ता बताओ, ताकि वह घास खाकर अपनी भूख मिटा सके।

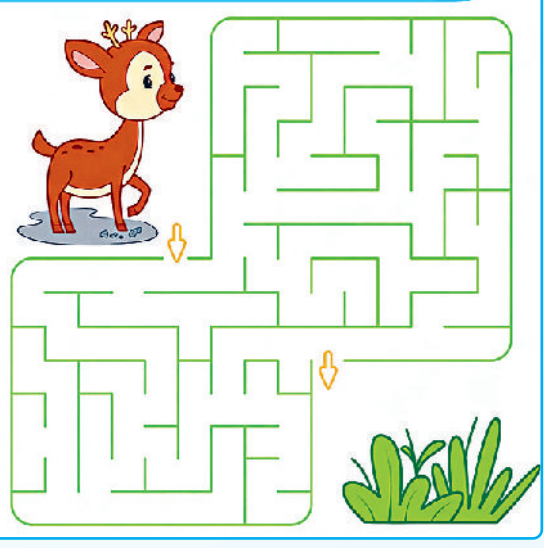

खबर संक्षेप

नारनौल। आमजन की शिकायत सुनते नगराधीश डॉ मंगल सेन।

समाधान शिविर में 40 नागरिकों ने रखी समस्याएं

नारनौल। लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने वीरवार आमजन की शिकायतें सुनीं। शिविर में कुल 40 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकतर का निपटान वहीं पर कर दिया गया। नगराधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली सभी शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाए।

पॉलिटेक्निक में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में एनएसएस कैंप के तीसरे दिन स्टार्टअप आइडिया एवं स्वरोजगार विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एमएसएमई विभाग से आए राहुल यादव, एक्सटेंशन ऑफिसर ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, नवाचार और आत्मनिर्भरता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

14 को हिंदू सम्मेलन, कार सेवकों का होगा सम्मान

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में 14 फरवरी को दोपहर दो बजे से एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रभारी रवि दत्त के अनुसार सम्मेलन को सफल और भव्य बनाने के लिए शिव बस्ती के मार्गदर्शक सदस्यों के साथ-साथ ऑफिसर कॉलोनी, आईटीआई क्षेत्र, कर्मचारी कॉलोनी, फ्रेंड्स कॉलोनी, विकास नगर, मालवीय नगर, बस अड्डा क्षेत्र तथा नई रेलवे कॉलोनी के नागरिक सहयोग कर रहे हैं।

आपराधिक कानूनों के प्रति किया जागरूक

मंडी अटेली। पुलिस विभाग की ओर से डोर टू डोर नशा मुक्त अभियान के तहत गठित विशेष टीम ने थाना अटेली क्षेत्र के गांव भोड़ी का दौरा किया। इस दौरान गांव की आंगनबाड़ी में एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी वर्गों के लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। निरीक्षक शारदा और उनकी टीम ने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए बताया कि पुलिस नशा पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने के लिए प्रयासरत है।

आर्य समाज मंदिर में हवन का आयोजन

कनीना। आर्य समाज के सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती पर वीरवार को आर्य समाज मंदिर में यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें आर्य समाज के प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। समाज के प्रधान सूबेदार मोहर सिंह ने कहा कि स्वामी दयानन्द ने देश को धर्म एवं मर्यादा के लिए जगाने का कार्य किया । उन्होंने समाज में फैली सामाजिक बुराइयों का खुलकर विरोध किया। उन्होंने समाज में प्रचलित बाल विवाह प्रथा का विरोध किया वहीं स्त्री शिक्षा पर बल दिया ।

उद्यमिता एवं स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित

महेंद्रगढ। राजकीय महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में उद्यमिता एवं स्टार्टअप विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर डॉ. जगजीत सिंह मोर जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चरखी दादरी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. जगजीत सिंह मोर ने कहा कि वे किस प्रकार न्यूनतम लागत में नए-नए स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य विजय यादव ने विद्यार्थियों को नए युग की रोजगार चुनौतियों एवं उनसे निपटने के तरीकों की जानकारी दी।

प्रदेश में भर्तियों की बहार : यूट्यूब लेक्चर, ऑनलाइन टेस्ट सीरीज ई-बुक्स और मोबाइल एप्स के जरिए तैयारी को अपडेट करें युवा

सुबह की ताजी हवा में पार्कों और खुले मैदानों में फिजिकल तैयारी करते युवा नजर आ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा में इन दिनों विभिन्न विभागों में भर्तियों की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। पुलिस, स्वास्थ्य, वन, कृषि तथा अन्य विभागों में अलग-अलग पदों पर नौकरियों के विज्ञापन जारी होने से युवाओं में उत्साह का माहौल है। लंबे समय से तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह सुनहरा अवसर माना जा रहा है।

खास बात यह है कि वर्तमान मौसम पढ़ाई के लिए अनुकूल है - न अत्यधिक गर्मी, न कड़ाके की ठंड। ऐसे में विशेषज्ञ युवाओं से अपील कर रहे है कि वे समय का पूरा सदुपयोग करें और प्रतियोगिता की कड़ी दौड़ में आगे निकलने की तैयारी करें। क्षेत्र के पुस्तकालयों, कोचिंग संस्थानों और अध्ययन कक्षों में इन दिनों विद्यार्थियों की चहल-पहल बढ़ गई है।

सुबह की ताजी हवा में पार्कों और खुले मैदानों में फिजिकल तैयारी करते युवा नजर आ रहे है वहीं दोपहर और शाम के समय लाइब्रेरी तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन लेक्चर और मॉक टेस्ट का सहारा लेकर तैयारी को धार दी जा रही है। अभ्यर्थियों प्रदीप कुमार, नीरज कुमार, रोहित यादव, अंकित जांगड़ा, पंकज, अनिल कुमार, योगेश यादव, सौरभ, नितेश कुमार, विश्वास, कुलदीप योगी, राहुल प्रजापत, रोहित, नितेश का कहना है कि जब अवसर सामने हो और मौसम साथ दे रहा हो तो मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

■ लंबे समय से तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुनहरा मौका

बिरेंद्र यादव।

लाइब्रेरी और डिजिटल माध्यम बना बड़ा सहारा

महेंद्रगढ़, नारनौल, नांगल चौधरी, कनीना और अटेली सहित कई शहरों में सार्वजनिक पुस्तकालयों में सीटें फुल रहने लगी है। जिला हरिभूमि टीम द्वारा युवाओं से बात करने पर बताया कि घर के बजाय लाइब्रेरी में पढ़ाई करना अधिक लाभकारी है। उनका कहना है कि वहां का अनुशासित वातावरण ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। इसके साथ-साथ डिजिटल माध्यम भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। यूट्यूब लेक्चर, ऑनलाइन टेस्ट सीरीज, ई-बुक्स और मोबाइल एप्स के जरिए अभ्यर्थी अपनी तैयारी को अपडेट कर रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी अब स्मार्टफोन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सामग्री तक पहुंच बना रहे है। कई छात्र दिन में फिजिकल किताबों से पढ़ाई करते है और रात में ऑनलाइन मॉक टेस्ट देकर अपनी तैयारी का आकलन करते है।

फिजिकल और लिखित दोनों की तैयारी जरूरी

युवा प्रदीप कुमार ढाणी बाठोठा ने बताया कि हरियाणा में निकलने वाली कई भर्तियों में लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल टेस्ट भी शामिल है। पुलिस, फॉरेस्ट गार्ड और अन्य सुरक्षा संबंधी पदों के लिए शारीरिक दक्षता अनिवार्य है। ऐसे में सुबह-शाम दौड़, एक्सरसाइज और ग्राउंड प्रैक्टिस कर रहे है। देवेंद्र कुमार, कैलाश चंद, कृष्ण कुमार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल किताबों में डूबे रहने से काम नहीं चलेगा बल्कि संतुलित दिनचर्या अपनाकर मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से फिट रहना जरूरी है।

प्रतियोगिता होगी कड़ी

युवा बिरेंद्र यादव ने बताया कि हरियाणा में इस समय भर्तियों का जो दौर चल रहा है वह युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। मौसम भी अनुकूल है इसलिए समय को व्यर्थ न गंवाएं। सुबह शारीरिक अभ्यास करें। दिन में लाइब्रेरी या शांत वातावरण में पढ़ाई करें और डिजिटल माध्यम से अपनी तैयारी को अपडेट रखें। प्रतियोगिता निश्चित रूप से कड़ी होगी। लेकिन जो विद्यार्थी नियमितता, अनुशासन और सकारात्मक सोच बनाए रखेंगे वही सफल होंगे। असफलता से घबराएं नहीं बल्कि उसे सीख में बदलें। अभी की मेहनत ही आपके भविष्य की नींव है।

जिले के अंदर बनेंगी 74 वाटर बॉडी, सांसद ने मांगे 52 करोड़

भूजल स्तर सुधार के लिए एक मेगा रीचार्ज परियोजना तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

जिले के भूजल स्तर सुधार के लिए एक मेगा रीचार्ज परियोजना तैयार की गई है। इसके बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में केंद्र सरकार की अटल भूजल योजना के अंतर्गत अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। इससे भूजल स्तर में अच्छा सुधार हुआ है। परंतु अभी भी बहुत से इलाकों में भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए सांसद धर्मबीर सिंह एवं हरियाणा सरकार की पैरवी पर जिले के मेगा रीचार्ज प्रोजेक्ट के लिए लगभग 52 करोड़ की मांग की गई है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत पूरे जिले में लगभग 60 वाटर बॉडी बनाई जाएंगी। इन वॉटर बॉडी में अतिरिक्त नहरी पानी को भरा जाएगा जिससे भूजल स्तर में अभूतपूर्व लाभ होगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पहले चरण में लगभग 55 गांव कवर किए जाएंगे। सतनाली, सीहमा और निजामपुर ब्लॉक के गांवों में अटल भूजल योजना के अंतर्गत कार्य नहीं हो पाए थे। इस नई मेगा रीचार्ज परियोजना में इन ब्लॉकों के गांवों को भी कवर किया जाएगा। इसके लिए जल्द-से-जल्द पैसा जारी करने के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता को पत्र लिखकर निर्देश जारी कर दिए हैं। चंडीगढ़ सचिवालय में बुधवार को आयोजित हुई प्रदेश स्तर की विकास एवं निगरानी समिति की बैठक में भी सांसद धर्मबीर सिंह ने इस बारे प्रदेश के मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि इस परियोजना पर जल्द-से-जल्द कार्य शुरू करवाया जाए। साथ ही अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि इस परियोजना से संबंधित सभी औपचारिकताएं जल्द-से-जल्द पूरी की जाएं।

■ वर्ल्ड बैंक से मिलेगा पैसा, भूजल स्तर में होगा अभूतपूर्व लाभ

महेंद्रगढ़। इस जगह पर बनाइ जाएगी वाटर बॉडी। फोटो : हरिभूमि

सांसद ने दिए निर्देश

बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित हुई प्रदेश की विकास एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि ये सभी कार्य जल्द-से-जल्द शुरू करवाए जाएं। सांसद ने ये भी कहा कि आवश्यकता पड़ने पर जिले के लिए और भी फंड की व्यवस्था की जाएगी। जिन इलाकों में भूजल स्तर अधिक नीचे है वहां ज्यादा ध्यान दें अधिकारी। साथ ही तीन ब्लॉक सीहमा, निजामपुर और सतनाली जो अटल भूजल योजना का हिस्सा नहीं थे वहां अधिक ध्यान दिया जाए।

नांगल चौधरी व नारनौल के गांव

रामबास, धानौता, कारौली, मारौली, निजामपुर, हस्नपुर, मक्सूसपुर, हमीदपुर, नांगल काठा, बापडोली, खोडमा, कारोता, जैनपुर, सलीमपुर, सराय बहादुर, जाट गुवाना, मोरूंड, राय मलिकपुर, सुराणी व पटीकरा शामिल हैं।

महेंद्रगढ़ गांवों में बनेगी वॉटर बॉडीः भांडोर ऊंची, मुडायन, खेड़ा, पल्ह, बैरावास, जांजडियावास, नांगल सिरोही, पाली, चीतलांग, आदलपुर, गागडवास, धोली, नांगल हरनाथ, खातोदड़ा, कौथल कलां, जांट, देवास, डुलाना, निम्बी, बसई, सुरेहती पिलानिया, डालनवास, ढाणा, सुरेहती मोडियाना, डिगरौता, सुरेहती जाखल शामिल हैं।

अटेली के इन गांवों में बनेगी वॉटर बॉडीः रामबास, कलवाड़ी, अटाली, ढूलोठ जाट, धनौंढा, सेहलंग, भड़फ, मोहल्डा, सिलारपुर, पोता, रांता खुर्द, चेलावास, सिहोर खरखड़ा बास, खेड़ी, अगिहार, नावदी, कांटी, खेड़ी

बड़ी वॉटर बॉडी भी बनेगीः गांव देवास में बड़ी वॉटर बॉडी बनाई जाएगी। दोहान नदी में बड़ा बंध बनाकर पानी स्टोर किया जाएगा। इससे आसपास के आधा दर्जन गांवों के भूजल स्तर में लाभ होगा

गांव पाली - लगभग छह एकड़ में जोहड़ खोदकर पानी भरा जाएगा।

गांव डालनवास- पहाड़ की तलहटी में लगभग 15 एकड़ में पहले से बने हुए आधा दर्जन जोहड़ों का सुढ़ढ़ीकरण करके नहर से जोड़ा जाएगा

महेंद्रगढ़। अनिल कौशिक को सम्मानित करते वीसी अमित आर्या। फोटो : हरिभूमि

फिल्म इंस्टीट्यूटर रोहतक ने अनिल को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

फिल्म इंस्टीट्यूटर सुपवा रोहतक में आयोजित सम्मान समारोह में महेंद्रगढ़ निवासी राष्ट्रीय रंगकर्मी अनिल कौशिक को भारत रंगम सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान फिल्म इंस्टीट्यूटर यूनिवर्सिटी के कुलपति अमित आर्या ने बुधवार देर शाम एक सम्मान समारोह में प्रदान किया। सूपवा रोहतक में एनएसडी की ओर से भारत रंगम थिएटर फेस्टिवल का आयोजन पहली बार सुपवा रोहतक में किया गया। इस उत्सव में देश विदेश से रंगमंच के कलाकारों ने नाटकों की प्रस्तुति से उत्सव में चार चांद लगा दिए। इस उत्सव में हरियाणा के सर्वश्रेष्ठ चुनिंदा निर्देशकों को सम्मानित किया गया। बुधवार को फिल्म इंस्टीट्यूटर रोहतक में हरियाणा प्रदेश के प्रसिद्ध रंगकर्मी अनिल कौशिक को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अनेक वर्षों से नाटक निर्देशन व अभिनय की बुलंदिया छूने पर भारंगम सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह हैं उपलब्धियां

बता दें कि अनिल कौशिक छात्र जीवन से ही विश्वविद्यालय के साथ-साथ राष्ट्र स्तर पर अपनी सफल पहचान बनाने के बाद हरियाणा सरकार में अपनी सेवाओं से हरियाणा की संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलवाई। कौशिक को उनकी सेवाओं को मान्यता देते हुए अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सम्मान मिलने के साथ साथ गवर्नर अवॉर्ड भी हरियाणा सरकार द्वारा भी प्रदान किया गया। अनेक धारावाहिक टेलीफिल्म में अभिनय, निर्देशन एवं पटकथा लिखकर सफल पहचान बना चुके अनिल कौशिक को भारत रंगम सम्मान मिलना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

नारनौल। एनएसएस शिविर समापन में मौजूद अतिथि व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एप्रीसिएशन अवॉर्ड से खुशी, पूजा, वंशिका रिद्धि और सरिता को नवाजा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय महाविद्यालय छिलरो में सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पंचायत समिति निजामपुर के चेयरमैन विनोद यादव रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्लास्टिक मुक्त हरियाणा तथा प्लास्टिक मुक्त भारत निर्माण में सहयोग करने और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि सुनील भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने स्वयंसेवकों को सात दिवसीय विशेष शिविर पूर्ण करने पर बधाई देते हुए शिविर के दौरान मिले प्रशिक्षण को अपने जीवन में उतार कर समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान किए गए कार्यक्रम की रिपोर्ट एनएसएस प्रभारी डॉ सुरेन्द्र कुमार तथा डॉ नीरज यादव ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों को प्राचार्य द्वारा शिविर का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। शिविर में दोनों इकाईयों में छात्र अंकित यादव, प्रिंस एवं छात्रा हसीना, मुस्कान बेस्ट वॉलेंटियर रहे तथा एप्रीसिएशन अवॉर्ड खुशी, पूजा, वंशिका, रिद्धि, सरिता को मिला। इसी के साथ प्राचार्य डॉ कुलदीप यादव ने सभी को एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर पूर्ण करने के लिए बधाई दी।

तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में व्यापारी वर्ग का बड़ा योगदान

नारनौल। बजट 2026 के संदर्भ में सिंघाना रोड पर व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्यापारी संवाद कार्यक्रम जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव,नारनौल मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे व जिले की बजट टोली के सदस्य एडवोकेट राकेश यादव उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम में डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि भारत तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में व्यापारियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प की सिद्धि के लिए देश का हर व्यापारी पूरी शिद्दत से इकोनॉमी को मजबूत करने में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है। यतेंद्र राव ने कहा बजट की घोषणा होने के बाद व्यापारी वर्ग के साथ बजट पर चर्चा का मूल उद्देश्य व्यापारी भाइयों, बहनों से बजट 2026 के बजट पर उनकी प्रतिक्रिया लेना और राय मसवरा करना है। नारनौल मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे ने भाजपा के इस सकारात्मक पहल की सभी व्यापारियों ने सराहना की है।

■ व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया

छात्रों को विधिक शिविर में दी कानून की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विधि विभाग की लीगल एड सोसायटी द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसई में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उत्तरदायी नागरिकता की भावना को प्रोत्साहित करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी न्याय और जागरूकता का संदेश क्लॉसरूम से बाहर समाज तक पहुंचा रहे हैं। यह शिविर सामाजिक रूप से उत्तरदायी शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। शिविर में विधि विभाग के विद्यार्थियों ने रचनात्मक एवं प्रभावशाली माध्यमों से विधिक जागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई पर नाट्य प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में लोकप्रिय गीत रुपैया का समावेश कर यह दर्शाया गया कि दहेज प्रथा किस प्रकार मानवीय गरिमा को धन के लेन-देन तक सीमित कर देती है। शिविर के दौरान महिला सुरक्षा, संविधान के अनुच्छेद 39(ए) के अंतर्गत निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार तथा साइबर साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए।

महेंद्रगढ़। शिविर में प्रतिभागिता करने वाले शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

अधिकारी शिकायतों को समस ये निपटाएं: एडीसी

महेंद्रगढ़। एडीसी तरुण कुमार पावरिया ने वीरवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर शिकायतों को लंबित न रखा जाए। सभी विभाग समाधान की संशोधित रिपोर्ट समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपलोड करें, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो सके। एडीसी ने कहा कि शिकायतों का निपटारा पूरी जांच और तथ्यों के आधार पर किया जाए, जिससे दोबारा शिकायत दर्ज कराने की नौबत न आए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर सरकार की पैनी नजर है। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्रवाई के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त ने कुल 21 समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके समाधान बारे निर्देश दिए।

श्री श्याम दरबार यात्रा का आयोजन आज

महेंद्रगढ़। श्री श्याम कृप्या मंडल रेलवे रोड द्वारा श्री श्याम खाटू वाले का फाल्गुन महोत्सव एवं श्री श्याम दरबार यात्रा का आयोजन आज से प्रारंभ करेंगे। मंडल प्रधान सुनील निम्बेड़िया ने बताया कि श्री श्याम कृपा मंडल प्रत्येक वर्ष फाल्गुन महीने में श्री श्याम बाबा खाटू वाले की भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन करता है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त बाबा श्याम की रंग-बिरंगे ध्वज लेकर श्याम बाबा के भव्य रथ के साथ अनाज मंडी महेंद्रगढ़ से खाटू धाम के लिए रवाना होती है। इस बार यह कार्यक्रम 13 फरवरी को प्रातः नौ बजे प्रारंभ होगा, जिसमें बाबा का भव्य रथ श्री श्याम ध्वजा लेकर भक्तजन बाबा का गुणगान करते हुए ढोल-नगाड़ों के साथ शहर में मुख्य बाजार बालाजी चौक, भगवान परशुराम चौक होते हुए खाटू धाम के लिए प्रस्थान करेंगी। इस भव्य शोभायात्रा में बाबा का गुणगान करने के लिए ग्वालियर से मनोज शर्मा व महेंद्रगढ़ से सत्येंद्र शर्मा गुणगान करेंगे।

चुनाव

सैनी सभा कोलेजियम चुनाव की घोषणा, 15 से नामांकन

संपूर्ण प्रक्रिया के बाद 26 व 27 फरवरी को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सैनी सभा (रजि.) के कोलेजियम चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव अधिकारी संदीप सैनी एडवोकेट एवं उप-चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सैनी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार चुनावी प्रक्रिया 15 फरवरी 2026 से विधिवत आरंभ होगी। जारी शेड्यूल के मुताबिक उम्मीदवार 15 फरवरी से 18 फरवरी शाम चार बजे तक अपने नामांकन पत्र जमा कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 19 फरवरी से 22 फरवरी दोपहर दो बजे तक की जाएगी। इसके बाद 23 से 25 फरवरी शाम पांच बजे तक प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। अंतिम रूप से मैदान में रहने वाले उम्मीदवारों को 26 व 27 फरवरी को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण चरण मतदान आठ मार्च को संपन्न हो गा । आ व श्य क ता पड़ने पर मतदान एक से अधिक चरणों में भी कराया जा सकता है, जिसकी सूचना समयानुसार जारी की जाएगी। चुनाव अधिकारी संदीप सैनी एडवोकेट ने बताया कि केवल वही सदस्य चुनाव लड़ने व मतदान करने के पात्र होंगे, जिनका नाम सैनी सभा की अंतिम मतदाता सूची में दर्ज है। नामांकन पत्र निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार किए जाएंगे और समय सीमा के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन मान्य नहीं होगा। अधूरे अथवा त्रुटिपूर्ण फॉर्म निरस्त कर दिए जाएंगे। पूरी चुनावी प्रक्रिया पर्यवेक्षक रोशन लाल सैनी की निगरानी में पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाई जाएगी। सभा परिसर में नोटिस बोर्ड पर चुनाव कार्यक्रम चस्पा कर दिया गया है, जिससे सदस्यों में चुनाव को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

■ 15 फरवरी से 18 फरवरी तक जमा होंगे नामांकन

चुनाव अधिकारी संदीप सैनी

मोटा अनाज खाने से बीमारियां रहती हैं दूर

मंडी अटेली। गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल अटेली में वीरवार को मोटे अनाज पर एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज पर जागरूकता के लिए रोड शो भी किया गया। यह कैंप डॉ. वीर कुमार की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें किसानों को मोटे अनाज के फायदों के बारे में विस्तार से बताया । बताया गया कि मोटा अनाज फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन में मदद करता है और आंतों की समस्याओं से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। मोटे अनाज में बाजरा, ज्वार समेत अन्य प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम, बी विटामिन्स और कई खनिजों से भरपूर होते हैं, जो इन्हें ग्लूटेन-फ्री, पाचन-सुधारने वाले और मधुमेह व हृदय रोगों के जोखिम को कम करने वाले सुपर फूड बनाते हैं, जो चावल की तुलना में अधिक पौष्टिक होते हैं।

The Mohindergarh District Cooperative Labour & Construction Fed. Ltd. Narnaul

चुनाव सूचना

दी महेंद्रगढ जिला सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि. नारनौल की सभी मतदाता समितियों को सूचित किया जाता है कि प्रसंघ की जोनल कमेटी ने प्रसंघ के चुनाव हेतु प्रस्तावित मतदाता सूचियों को अपनी बैठक दिनांक 12.02.2026 में अस्थाई तौर पर अनुमोदित कर दिया है। इन सूचियों को दिनांक 13.02.2026 से 27.02.2026 तक निम्न स्थानों पर प्रदर्शित किया जा रहा है।

1 उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, भिवानी कार्यालय
2 सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, नारनौल व महेंद्रगढ कार्यालय
3 दी महेंद्रगढ केन्द्रीय सहकारी बैंक लि. महेंद्रगढ व शाखा नारनौल में
4 प्रसंघ के हाउसिंग बोर्ड नारनौल में स्थित कार्यालय में

अगर किसी समिति को इन सूचियों बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 27.02.2026 अपने एतराज लिखित रूप में प्रबंधक जिला प्रसंघ को प्रस्तुत करें। इसके पश्चात जिला प्रसंघ की जोनल कमेटी की आगामी बैठक में प्राप्त एतराजों पर विचार कर निपटान पश्चात प्रसंघ की मतदाता सचियों को अंतिम रूप से अनुमोदित कर दिया जावेगा।

प्रबंधक
दी महेंद्रगढ जिला सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंघ लि. नारनौल

खबर संक्षेप

मॉडर्न स्कूल में विदाई पार्टी का आयोजन

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। समारोह में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक तथा समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ रिबन काटकर किया गया। उसके पश्चात 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। स्वागत गीत, एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य आदि प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक खेल और उपाधि वितरण का भी आयोजन किया गया।

एमआर में जूनियर्स ने दी सीनियर्स को पार्टी

नारनौल। अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी। जिसमें उन्होंने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस विदाई समारोह की शुरुआत विद्यालय के चेयरमैन सियाराम यादव और वाईस चेयरमैन वीरेंदर सिंह ने रिबन काटकर तथा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

बीआर स्कूल में सम्मान समारोह किया गया

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन हरीश भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा प्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के दौरान बेस्ट स्टूडेंट ऑफ़ द मंथ एवं बेस्ट स्टाफ ऑफ़ द मंथ पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इस दौरान कक्षा पांचवीं से दीपांशी पुत्री सुनील, समृद्धि पुत्री राजीव, कक्षा छठी से वंशिका पुत्री राकेश, माही पुत्री प्रवीण, कक्षा सातवीं से वंदना पुत्री मनोज, ईशांत पुत्र बलजीत को सममनित किया गया।

महाशिवरात्रि पर बचपन प्ले में हुए कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। मौदाश्रम मंदिर के सामने मौहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल में महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम के दौरान फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी को मनाए जाने वाले महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा शिव-पार्वती की वेशभूषा में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मनमोहन झांकिया पेश की गई। कक्षा छठी के छात्र स्वास्तिक व कक्षा तीसरी की छात्रा जानवी द्वारा प्रस्तुत शिव-पार्वती नृत्य एवं झांकी तो बहुत ही सराहनीय रहीं।

एमओयू छात्राओं में उद्यमशीलता की मानसिकता को देगा बढ़ावा

जेएस यादव मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट व राजकीय महिला महाविद्यालय के बीच एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शिक्षा व शोध को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों व शिक्षकों/शिक्षिकाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा तथा नई शिक्षा नीति को लेकर जेएस यादव मैमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, नारनौल के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए हैं। ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष डा. अतुल यादव तथा महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्राचार्य डा. आर पी सिंह ने किया। उल्लेखनीय है कि जिला के गांव नीरपुर निवासी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक डा. जेएस यादव जो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्राणी विज्ञान विभाग में लगभग 33 वर्षों तक कार्यरत रहे, की स्मृति में गठित ट्रस्ट पिछले पांच-छह वर्षों से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, में पर्यावरण व विज्ञान व इंजीनियरिंग संकाय में शोध को बढ़ावा देने लिए शोधार्थियों के बीच प्रति वर्ष अनेक कार्यक्रम आयोजित करता है तथा विज्ञान के अलग-अलग विषयों में /"जे एस यादव यंग साइंटिस्ट अवार्ड/" भी प्रदान किए जाते हैं। इस तीन वर्षीय एमओयू के अनुसार ट्रस्ट स्थानीय महाविद्यालय में कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों (स्टार्टअप सहित) का आयोजन करके, स्वरोजगार के अवसर पैदा करके और रोजगार सृजन करके छात्राओं में उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देगा। डॉ अतुल यादव ने बताया कि इसके तहत शिक्षकों और छात्राओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों, शिक्षण, सीखने की सामग्री और अन्य प्रासंगिक जानकारी का आदान-प्रदान भी किया जाएगा।

नारनौल। एमओयू हस्ताक्षर अवसर पर उपस्थित ट्रस्ट एवं महाविद्यालय के पदाधिकारी।

नौकरी उन्मुख डिप्लोमा व प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम होंगे आरंभ

प्राचार्य डॉ आरपी सिंह ने बताया कि ज्ञान और कौशल के उन्नयन के लिए नौकरी उन्मुख डिप्लोमा और प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम भी आरम्भ किए जाएंगे। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दोनों पक्ष समान हितों और उद्देश्यों से एकजुट रहेंगे और वे संचार और सहयोग के ऐसे चैनल स्थापित करेंगे जो उनके संबंधित सहयोग को बढ़ावा देंगे और आगे बढ़ाएंगे। दोनों पक्ष एक-दूसरे को संभावित अवसरों से अवगत कराते रहेंगे और एक-दूसरे के लिए अतिरिक्त अवसर सुरक्षित करने हेतु सभी प्रासंगिक जानकारी सांझा करेंगे। दोनों पक्षों का मानना है कि दोनों पक्षों के बीच घनिष्ठ सहयोग से छात्राओं को अपने कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में काफी लाभ होगा।

संवाद से उद्योगों व शिक्षा जगत की नवीनतम प्रगति की प्राप्त होगी जानकारी

समझौता से विश्वविद्यालय और कॉलेज केंद्र के बीच संवाद से उद्योगों और शिक्षा जगत की नवीनतम प्रगति/आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त होगी। इस सहयोग के माध्यम से छात्राओं को प्रदान किया गया औद्योगिक प्रशिक्षण और अनुभव उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगा और उन्हें अकादमिक से कामकाजी करियर में सुगम संक्रमण के लिए तैयार करेगा। ट्रस्ट छात्राओं को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण देगा ताकि कौशल में अंतर को कम किया जा सके और उन्हें उच्च शिक्षा और उद्योग के लिए तैयार किया जा सके। ट्रस्ट छात्राओं को प्रौद्योगिकी के रुझानों और आंतरिक आवश्यकताओं पर अतिथि व्याख्यान देने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। इस मौके पर डा. यशपाल, डा. राधिका, सुनील कुमार व अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संघों एवं संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर संगठन जुटे

हड़ताल का नहीं दिखा असर सभा व प्रदर्शन तक सीमित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संघों एवं संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल का शहर ही जिले में कोई असर दिखाई नहीं दिया। हड़ताल महज सभाओं एवं प्रदर्शनों तक सीमित रही। कुछ कर्मचारी संगठनों ने इसमें भाग लिया और आम आदमी ने इससे कोई जन सरोकार नहीं रखा। प्रातःकाल को जिले के मजदूर, कर्मचारी व किसान सुभाष पार्क में एकत्रित हुए तथा श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड लागू करने के खिलाफ व अन्य मांगों को लेकर सभा की गई। सभा की अध्यक्षता एक संयुक्त अध्यक्षीय मण्डल ने की, जिसमें सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल कुमार यादव, श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, सीटू के जिला प्रधान हरिराम ने की। सभा का संचालन रोहतास गोठवाल व छाजूराम रावत ने किया। सभा के पश्चात मजदूर, कर्मचारियों व किसानों का जुलूस महावीर चौक होते हुए कचहरी रोड बैंक-बीमा कार्यालय के सामने पहुंचा और लड़ेंगे तो जीतेंगे के नारों से गूंजायमान हो उठा। राष्ट्रव्यापी हड़ताल श्रमिक विरोधी 4 लेबर कोड को रद्द करने, मजदूरों के खून पसीने व कुर्बानी से हासिल 29 श्रम संहिताओं को और अधिक समृद्ध कर श्रमिक हितेषी बनाने, कच्चे कर्मचारियों, अस्थाई कर्मियों व स्कीम वर्कर्स आशा, मिड डे मील, आंगनबाड़ी सहित सभी विभागों के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, हरियाणा हाईकोर्ट का निर्णय लागू करने, न्यूनत्तम वेतन रुपये 30,000 लागू करने करने समेत कई मांगे उठाई। इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी, सीटू व सर्व कर्मचारी संघ से सम्बन्धित कई संघठनों ने भाग लिया।

नारनौल। प्रदर्शन करते विभिन्न कर्मचारी एवं ट्रेड संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

ये भी रहे हड़ताल में शामिल

आंदोलनकारियों को किसान संगठन एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह, एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश, एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेन्द्र सिंह बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, सचिव राहुल सारवन, मास्टर धर्मेन्द्र यादव, डेमोक्रेटिक टीचर्स एसोसिएशन के राज्य सचिव मास्टर महेश यादव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन की राज्य प्रधान कृष्णा देवी, आशा कार्यकर्ता यूनियन की राज्य महासचिव मधु देवी, मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन जिला प्रधान सुनीता, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला प्रधान घनश्याम शर्मा, राज्य सचिव धर्मपाल शर्मा, सीटू से आशा वर्कर यूनियन की जिला सचिव कांता, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन जिला प्रधान पवन कुमार वाल्मीकि, जिला सचिव जगदीश प्रसाद सतनाली, ग्रामीण चौकीदार संगठन जिला उपप्रधान लालचंद निनानियां, ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान, जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मकसूसपुरिया, एजुसैट स्कूल चौकीदार यूनियन के जिला प्रधान धर्मपाल, नगर पालिका यूनियन के प्रधान भूपेंद्र सारवन, प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेन्द्र सिंह संगेलिया, पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के प्रधान कपिल यादव, अभय सिंह, बलबीर सिंह, जय किसान संगठन के कामरेड दलीप सिंह, भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन के प्रधान सीताराम, क्रैच कार्यकर्ता सहायिका यूनियन से लक्ष्मी देवी, संजू आदि समेत काफी संख्या में रहे।

हेमसा का डायरेक्टर दफ्तर पर जोरदार हल्ला बोल प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का वीरवार को डायरेक्टर दफ्तर पर जोरदार हल्ला बोल प्रदर्शन हुआ। हल्ला बोल प्रदर्शन में हरियाणा भर से बड़ी संख्या में कर्मचारी धरना स्थल पंचकूला पर एकत्रित हुए। हल्ला बोल प्रदर्शन की अध्यक्षता राज्य प्रधान संदीप सांगवान ने की तथा संचालन महासचिव हितेंद्र सिहाग द्वारा किया गया। हेमसा प्रदेश प्रेस प्रवक्ता सुजान मालड़ा ने महेंद्रगढ़ लौटने के बाद प्रेस बयान में कहा कि एसोसिएशन ने 2 माह पहले ही आंदोलन का नोटिस भेज रखा था। लेकिन अफसर शाही ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रशासन कर्मियों के नेतृत्व से लगातार वार्ता कर रहा था। लेकिन कर्मियों में काफी गुस्सा था। हेमसा के नेतृत्व ने जब धरना स्थल पर ऐलान किया कि दो बजे डायरेक्टर दफ्तर की घेराबंदी बंदी करेंगे, तब प्रशासन के हाथ पांव फूल गए तथा कर्मियों को प्रदर्शन ना करने पर मनाने में जुट गए। प्रदर्शन के दौरान पुलिस व कर्मियों की आपस में धक्का मुक्की भी। पुलिस प्रशासन के साथ धक्का मुक्की के दौरान पांच नेताओं को मौके पर ही गिरफ्तार भी किया गया।

बिजली निगम के कर्मचारियों ने दो घंटे किया विरोध प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। बिजली निगम कार्यालय में एचएसबी वर्कर यूनियन हैड ऑफिस भिवानी रजि नं के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर बिजली कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रव्यापी हड़ताल को नैतिक समर्थन देते हुए सुबह नौ से 11 बजे तक दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें सिटी सब यूनिट, सब अर्बन सब यूनिट, सिटी एक सब यूनिट के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनिट प्रधान नवीन यादव ने की। विरोध प्रदर्शन का मंच संचालन सब अर्बन सब यूनिट सेक्रेटरी दीपक यादव ने किया। संगठन के नेताओं ने बताया कि बिजली कर्मचारियों को रिस्क अलाउंस की सबसे ज्यादा जरूरत है, क्योंकि आए दिन बिजली कर्मचारी लाईन पर शहीद होते हैं। उनका कार्य बहुत ही ज्यादा जोखिम भरा है और ऑनलाइन ट्रांसफर पोलिसी कर्मचारियों के लिए मौत का दरवाजा खोलने का काम करेगी और इसी प्रकार के अन्य ज्वलंत मुद्दे कर्मचारियों ने रखते हुए निगल मैनेजमेंट व हरियाणा सरकार को चेतावनी दी।

जनस्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने की हड़ताल के समर्थन में सभा

नारनौल। ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की ओर से जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल नंबर एक के प्रांगण में हरियाणा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर केंद्रीय मजदूर संगठनों एवं कर्मचारी संघों द्वारा बुलाई गई देशव्यापी आम हड़ताल का पूर्ण समर्थन करते हुए प्रदर्शन किया। राज्य उपप्रधान सुभाष यादव की अध्यक्षता में सभा का संचालन करते हुए शाखा प्रधान दीपक कुमार ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों की कड़ी भर्त्सना की और मांग की कि सभी कर्मचारियों को हर महीने की 7 तारीख से पहले वेतन देना सुनिश्चित किया जाए। साथ कर्मचारियों के बकाया सैल, साबुन, सीएफएल, रेनकोट, जूते और डांगरी आदि तुरंत उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों के नाम एचकेआरएनएल पोर्टल से हट गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द जोड़ा जाए, जिनके ओटीपी नहीं आ रहे, उनकी समस्या का समाधान किया जाए। सभा को संबोधित करते हुए एसिस्टेंट रामनिवास ने अन्य मुख्य मांगों का प्रस्ताव रखा, जिनमें मजदूर विरोधी लेबर कोड्स रद्द करना भी शामिल रहा। सभा में दिलबाग क्लर्क, कपिल क्लर्क, योगेश कुमार क्लर्क, कुणाल क्लर्क, चेयरमैन गोपीराम, सुभाष सैनी, श्रीकिशन शर्मा, सीता देवी, प्रेम सैनी, सतीश कुमार, संजय शर्मा, योगेंद्र शर्मा, सुमित्रा देवी, ममता, कविता आदि रहे।

कर्मचारियों ने सरकार के प्रति की नारेबाजी

महेंद्रगढ़। केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर शहर के चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क में सभी यूनियन ने हड़ताल में जोर–शोर से भाग लिया, जिसमें मुख्य रुप से रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा और ऑल हरियाणा कर्मचारी यूनियन की जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल ब्रांच महेंद्रगढ़ और ब्रांच सिचाई विभाग महेंद्रगढ़ संगठन ने भाग लिया। हड़ताल की अध्यक्षता रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के प्रांतीय प्रधान बाबूलाल यादव व मंच संचालन रिटायर्ड कर्मचारी सगठन के जिला प्रधान महेंद्र यादव ने किया। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के प्रदेश प्रांतीय प्रधान बाबुलाल यादव ने अपने संबोधन में सरकार की गलत नितियों का विरोध किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हड़ताल में यूनियन 681 के प्रांतीय मुख्य सगठनकर्ता रविंद्र फौजी, सिचाई विभाग प्रधान सुभाष यादव, चेयरमैन रमेश बेरी, सुभाष, अजीत पाली, सुनील महायचान, रिटायर्ड कर्मचारी संगठन से बाबूलाल, सूरजभान, भागसिंह, वीरभान, लक्ष्मण, वीर सिंह, बहादुर सिंह, लालाराम सहित अनेक पूर्व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजली निगम कार्यालय बुचावास के कर्मियों ने 2 घंटे किया विरोध प्रदर्शन

कनीना। बिजली बोर्ड कार्यालय बुचावास में कर्मचारियों ने वीरवार को विभिन्न ट्रेड यूनियनों द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हिस्सा लेकर दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने हड़ताल के समर्थन में सरकार की जन विरोधी नीतियों का खुलकर विरोध किया। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सतीश जेई सिहोर ने की। सत्यवान यादव ने कहा कि बिजली निगम कार्यालय में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को तत्काल स्थायी किया जाए। समान काम के लिए समान वेतन लागू किया जाए। इस मौके पर बलबीर खटाना यूडीसी, अंकित जेई, अमित जेई, बंशीराम फोरमैन, सतीश फोरमैन, सुजीत फोरमैन, राजेश फौरमैन, दीपक लाइनमैन, ज्वाईट सैकैट्री सोमबीर लाइनमैन, सुनिल यूडीसी, आलोक आदि मौजूद रहे।

ड्रोन तकनीक एवं आधुनिक भूगोल विषय पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण लेते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज बालाना के भूगोल विभाग द्वारा कॉलेज के भूगोल प्रयोगशाला में ड्रोन तकनीक एवं आधुनिक भूगोल में जियोस्पेशियल अनुप्रयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक के आधुनिक उपयोग, भू-मानचित्रण, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी तथा शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसके व्यावहारिक महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा विभागीय प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा ड्रोन तकनीक की मूल अवधारणाओं, विभिन्न प्रकार के ड्रोन, फ्लाइट प्लानिंग, डेटा संकलन तथा जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग के साथ इसके समन्वय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही ड्रोन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन (लाइव डेमो) भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने ड्रोन संचालन, हवाई डेटा संग्रहण एवं उसके विश्लेषण की प्रक्रिया को निकट से समझा। इस व्यावहारिक अनुभव ने विद्यार्थियों में विशेष रुचि उत्पन्न की तथा सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रयोग के बीच की दूरी को कम किया। यह कार्यक्रम संयोजिका चारू यादव एवं सह-संयोजक डॉ. नवीन कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आयोजन सचिव दीपक मोड़ा, सुष्मिता शर्मा एवं तरु पंवार ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

15 फरवरी से देवाधिदेव महादेव की उपासना महाशिवरात्रि का महापर्व

15 को शाम 5:04 बजे से 16 को शाम 5:33 बजे तक होगी पूजा

शंकर भगवान और माता पार्वती के वैवाहिक उत्सव की रहेगी हर ओर धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

देवाधिदेव महादेव को समर्पित आस्था और उपासना का महापर्व महाशिवरात्रि का त्यौहार 15 फरवरी को मनाया जाएगा और व्रत किया जाएगा, जो हर वर्ष फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 15 फरवरी को शाम 5:04 बजे से होगा और 16 फरवरी को शाम 5:33 बजे तक रहेगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन मास की महाशिवरात्रि का पर्व शंकर भगवान और माता पार्वती के वैवाहिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन भगवान शिव ने अपना वैराग्य जीवन छोड़कर माता पार्वती के साथ वैवाहिक बंधन में बंध गए थे। ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि 15 फरवरी महाशिवरात्रि पर इस बार इस साल महाशिवरात्रि पर काफी शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। इस दिन ग्रहों की स्थिति के हिसाब से बुधादित्य, शुक्रादित्य, नवपंचम से लेकर लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर शिव योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, प्रीति योग, आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, शोभन योग, साध्य योग, शुक्ल योग, ध्रुव योग, व्यतिपात और वरियान योग भी बन रहा है। उन्होंने बताया कि यह योग सफलता और समृद्धि का प्रतीक है। इन योगों में की गई पूजा-अर्चना व्रत से मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं और व्रत का फल कई गुना अधिक मिलता है। शिवजी की विशेष कृपा की प्राप्ति होती है। शंकर भगवान के आशीर्वाद से हर मनोकामना पूरी होती है। शिवरात्रि के व्रत से कई प्रकार की मान्यताएं जुड़ी हुई है। ऐसा माना जाता है की जो भी कुंवारी कन्याएं इस व्रत को करती है तो उनके अच्छे वर की प्राप्ति होती है और महिलाएं करती है तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय होता है।

पंडित राहुल भारद्वाज।

ये रहेगी पूजा विधि

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि इस दिन व्रत के साथ-साथ, शंकर भगवान का पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद, जल से भगवान का अभिषेक किया जाता है। बेलपत्र, भांग धतूरा आक का पत्ता शिवलिंग पर अर्पित करे। इस दिन शिव पंचाक्षर मंत्र ओम नमः शिवाय और महामृत्युजंय मंत्र का जप करें, शिव चालीसा, शिव पुराण, शिवजी के कोई भी स्त्रोत आते हैं, उनके पाठ करना चाहिए। उन्होंने बताया कि अगर आसपास कोई शिव मंदिर नहीं हो तो आप मिट्टी का शिवलिंग बनाकर भी पूजा कर सकते हैं।

चार पहर की पूजा विधान, ये रहेगा समय

राहुल भरद्वाज ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन चार पहर की पूजा करने का विधान है। माना जाता है कि इन चार पहर में पूजा करने से मनुष्य को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। पहले पहर में दूध से दूसरे में दही तीसरे में शुद्ध देसी घी व चौथे पहर में शहद से अभिषेक किया जाता है।

- प्रथम प्रहर- शाम 06:11 से रात 09:23 तक
- द्वितीय प्रहर- रात 09:23 से अर्धरात्रि 12:36 तक
- तृतीय प्रहर- रात 12:36 से सुबह 03:47 तक
- चतुर्थ प्रहर- 16 फरवरी सुबह 03:47 से 06:59 तक।

नारनौल। दयानंद जयंती पर हवन–यज्ञ करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

संतोष मेमोरियल में श्रद्धापूर्वक मनाई महर्षि दयानंद जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

संतोष मेमोरियल रिहैबिलिटेशन रिसर्च सेंटर कॉलेज एवं दिव्यांग विशेष विद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कैप्टन जगराम आर्य, समाजसेवक विनोद आर्य तथा संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन यादव के मार्गदर्शन में विधिवत यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष विद्यालय के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के साथ-साथ बीएड एवं डीएड (विशेष शिक्षा) के छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय सहभागिता की। यज्ञ के माध्यम से सभी ने समाज में शिक्षा, समानता और नैतिक मूल्यों के प्रसार का संकल्प लिया। संस्था के प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने अपने उद्बोधन में महर्षि दयानंद सरस्वती की प्रेरणादायक जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में महर्षि दयानंद द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने समाज में शिक्षा और समान अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों को अपनाने एवं समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के संकल्प के साथ किया गया।